



<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
<p>26/3/18</p>	<p>वृत्तुलाम उप०। S.D.O. Sojrat से Record प्राप्त है। अतः स्मरण पर जारी है। पत्रावली दिनांक 16/4/2018 को पेश है।  अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	<p>653 2/4/18</p>
<p>16/4/18</p>	<p>वृत्तुलाम उप०। पी. ओ. सा. बाहर पधारें है। पेशी इल्लवा होकर पत्रावली दिनांक — 23/04/2018 — को पेश हो।</p>	
<p>23/04/18</p>	<p>वृत्तुलाम उप०। पी. ओ. सा. बाहर पधारें है। पेशी इल्लवा होकर पत्रावली दिनांक — 20/05/2018 — को पेश हो।</p>	
<p>9/5/18</p>	<p>पत्रावली तलब की गई/लोक अदालत कोर्ट केम्प हेतु पक्षकारों एवं अधिवक्ता को सूचित किया जाकर पत्रावली दिनांक 16/5/18 को उपखण्ड मुख्यालय सोजत में पेश हो।</p>	
<p>16.05.2018</p>	<p>सरकारी पैरोकार उपस्थित। पत्रावली नियत तारीख पेशी से पूर्व आज राजस्व लोक अदालत कोर्ट कैम्प सोजत में प्रस्तुत हुई। प्रकरण का परीक्षण करने पर यह प्रकट हुआ कि प्रकरण में दोनो ही अप्रार्थीगण फौत हो चुके है। प्रार्थी द्वारा इनके का0मु0 को रेकर्ड पर लेने हेतु न तो प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया तथा न ही का0मु0 की सूची प्रस्तुत की। यह स्थिति सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 22 नियम 4 का उल्लंघन है। तदनुसार प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है तथा प्रकरण तहसीलदार सोजत को निर्देश दिये जाते है कि वे पक्षकारान् के का0मु0 को पक्षकार संयोजित कर पक्षकारान का वर्तमान निवास पता अंकित कर रेवेन्यू कोर्ट मैनुअल 1956 के अध्याय 2 में विहित प्रक्रिया की पालना करते हुए एक माह की अवधि में नये सिरे से रेफरेन्स प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करें। इस निर्णय की प्रति तहसीलदार सोजत को वास्ते पालनार्थ भिजवाई बाद पालना पत्रावली फैसल में शुमार होकर नम्बर से कम हो।  अतिरिक्त जिला कलेक्टर, पाली अति. जिला कलेक्टर, पाली</p>	